Ph.: Off.: 2633233/2955977
aryawani.ngp@gmail.com

॥ ओ३म्॥

दयानन्द आर्य कन्या महाविद्यालय

आर्य विद्या सभा द्वारा संचालित
(Regd. under Societies Act. XXI)
जरीपटका, नागपुर ४४००१४.

Brief Report

Brief Report of Project / Field/ Internship Work (1.3.3)

Name of the Project Undertaken	Intoduction of Talas	
Academic Session	2024-25	
Organizing Department/ Committee	Music	
Total Number of Students Participated in the Project	06	
Brief Report	The Project entitled Intoduction of Talas by the Department of Music under Vocational Skill Course (VSC) during the session 2024-25 under the guidance of IQAC. Total 06 students participated in this project work and successfully completed the project. The completion certificate has been given to the students. All students found it very interesting to learn through the experiential learning. They enjoyed the project work.	
Criterion :1	Metric no-1.3.3	
Signature of Co-Ordinator 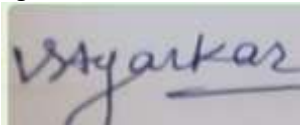 Dr Varsha Agarkar	Signature & Stamp of IQAC Co-Ordinator -IQAC Coordinator (Dr Mugdha Deshpande)	Signature of & Stamp of Principal Principal (Prof Dr Sujata Chakravorty)

Ph.: Off.: 2633233/2955977
aryawani.ngp@gmail.com

॥ ओ३म्।।

दयानन्द आर्य कन्या महाविद्यालय

आर्य विद्या सभा द्वारा संचालित

(Regd. under Societies Act. XXI)

जरीपटका, नागपुर ४४००१४.

Students Information

S.N.	Name of Student	Program	Class
1	Ku Trishna Shendre	B.A.	I Year
2	Ku Aasma Saket	B.A.	I Year
3	Ku Disha Sharma	B.A.	I Year
4	Ku Jayashri Sawarkar	B.A.	I Year
5	Ku Zaheena Sheikh	B.A.	I Year
6	Ku Pinki Dhawde	B.A.	I Year

Project

Name: Aasma R. Saket

MUSIC - MEJOR [VSC]

Dayanand Arya Kanya Mahavidyalaya

B.A - II SEM (I Year)

Project

SSION - 2024-2025

TOPIC

Date: / /

Page No.:

ताल - तिलवाडा

मात्रा - 16, विभाग - 4, हर विभाग में 4.4 मा
ताली - 1, 5 व 13 वी मात्रा पर
खाली - 9 वी मात्रापर, दुगुन - 9वी मात्रा से

यह ताल सिर्फ विलंबीत (बड़ा ख्याल) ख्याल गायन के लिये उपयोग मे लाया जाता है।

	1 2 3 4	5 6 7 8	9 10 11 12	13 14 15 16
	धा तिरकिट धिंधिं	धा धा तिं तिं	ता तिरकिट धि धि	धा धा धिं धिं
	X	2	0	3
	धा			
	X			
		दुगुन		
दुगुन	धा तिरकिट धिंधिं	धा धा तिं तिं	धातिरकिट धिंधिंधाधा तिंतिं	तातिरकिट धिंधिंधाधा धिं
	X	2	0	3

झपताल

मात्रा - 10

विभाग - 4, हर विभाग मे 2-3 मात्रा

ताली - 1, 3, 8 वी मात्रा

खाली - 6 वी मात्रा

1 2	3 4 5	6 7	8 9 10
धि ना	धि धि ना	ति ना	धि धि ना
X	2	0	3
धि			
X			

TOPIC

Date: / /

Page No.:

ताल - कहरवा

मात्रा - 8, विभाग - 2, हर विभाग में 4.4 मात्रा
ताली — 1 ली मात्रा पर
खाली — 5 वी मात्रा पर
दुगुन — 5 वी मात्रा से शुरू

यह ताल उपशास्त्रीय गीत प्रकार तथा सुगम संगीत, भजन फिल्मीगीत के लिये उपयोग मे लाया जाता है।

1	2	3	4	5	6	7	8
धा	गे	न	ति	न	क	धि	न
X				0			
धा							
X							
धा	गे	न	ति	धागे	नति	नक	धिन
X				0			
धा							
X							

दुगुन

तिलवाडा ताल

मात्रा - 16

विभाग - 4, हर विभाग में 4-4 मात्रा

खाली - 9 वी मात्रा

ताली - 1, 5, 13 वी मात्रा

1 2 3 4	5 6 7 8	9 10 11 12	13 14 15 16
धा तिरकिट धिं धिं	धा धा धिं धिं ति ति	ता तिरकिट धिं धिं	धा धा धिं धिं
X	2	0	3
धा			
X			

निष्कर्ष :

विषय के बारे में ज्ञान होने के पश्चात यह निष्कर्ष निकला गया की प्राचीन समय मे जितने भी बड़े - बड़े संगीतज्ञ कलाकार हुए उन लोगो ने संगीत का प्रचार - प्रसार बहोत जोर शोर से किया। जिसके कारण महाविद्यालय छात्राओ तथा अन्य संगीत शौकिन युवाओं का उसका लाभ हुआ और संगीत पढ़ने में सुनने में गाने में लिखने मे सरलता आयी। और तालो का ज्ञान भी प्राप्त हुआ।